प्रेस विज्ञप्ति

हमारे तीनों तापों का विनाश करती है भागवत– मां कनकेश्वरी देवी

– दूसरे के काम का श्रेय लेना कलयुग का लक्षण

– बिना आस्तिकता का ज्ञान अभिशाप है

– भागवत भगवान का बांग्डमय स्वरूप है

भोपाल । श्रीमद् भागवत भगवान श्री कृष्ण का बांग्डमय स्वरूप है । भगवान श्री कृष्ण का सतचित आनंद स्वरूप है जो हमारे तीनों तापों का विनाश करने वाला है । राष्टसंत मां कनकेश्वरी देवी ने यह सद्विचार रवीन्द्र भवन के मुक्ताकाश मंच पर श्रीमद भागवत कथा के दूसरे दिवस व्यक्त किये । स्वर्गीय प्रसून सारंग की स्मृति में आयोजित भागवत कथा में मां कनकेश्वरी ने कहा कि प्रत्येक मानव किसी न किसी ताप से प्रभावित है और इस ताप के कारण हम आनंद को प्राप्त नहीं कर पाते । इसीलिये भागवत हमारे जीवन में अनिवार्य है, सत्संग अनिवार्य है । उन्होंने कहा कि दुनिया में दो तरह के लोग रहते हैं । एक असंतुष्ट तो दूसरे अति असंतुष्ट । इसके पीछे भी हमारा ताप ही मूल कारण है ।

उन्होंने कहा कि अति धनवान और अति विद्वान व्यक्ति से सदैव दूरियां बनाकर रखो । यह आपके जीवन को प्रभावित कर सकते हैं । बिना भागवत और सत्संग के ज्ञानी होने का कोई अर्थ नहीं । ज्ञानी में यदि आस्तिकता की कमी है तो विद्धतता अभिशाप है । परमात्मा प्राप्ति ही अहसास का विषय है । परमात्मा को कहीं ढूंढने की जरूरत नहीं है, तुम्हारे होने का मतलब ही परमात्मा का अस्तित्व है । साध्वी कनकेश्वरी ने नैमीशारण्य का महत्व बताते हुये कहा कि इस दुनिया में यदि तुम धर्म अध्यात्म और भजन के भरोसे हो तो एक पल में ही बेडा पार हो सकता है । उन्होंने कलयुग के प्रताप पर प्रकाश डालते हुये कहा कि कलि के लक्षण में व्यक्ति दूसरे के काम का यश स्वयं प्राप्त करना चाहता है । यह कलयुग का लक्षण है । उन्होंने कहा कि संसार में जड़ और चेतन दो ही वस्तुयें हैं इसलिये हमें जड़ का सदुपयोग और चेतन का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिये । लेकिन लोग जब इसका उल्टा कर लेते हैं तब उन्हें जीवन में परेशानी होती है ।

भागवत कथा के आरंभ में भाजपा के राष्टीय महासचिव नरेन्द्र सिंह तोमर, उद्योग मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायकगण रमेश मेंदोला, संजय पाठक, जितेन्द्र डागा, गुरूप्रसाद शर्मा कैलाश नारायण सारंग, विश्वास सारंग, अशोक जैन भाभा, डॉ0 पी0के0

शुक्ला, संजय शर्मा, जीतू पाटीदार, मनोज मिश्रा, वीरेन्द्र पाठक, अजय श्रीवास्तव नीलू, शंकरलाल साबू, रवि गगरानी, चेतन गिरी आदि ने व्यास पीठ की पूजन आरती की और मां का आशीर्वाद प्राप्त किया । इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवी पं0 ओम मेहता और सुप्रसिद्ध इतिहासविद् सुरेश मिश्रा को सम्मानित किया गया ।

भवदीय

वैभव भटेले 9303139229
वीरेन्द्र पाठक